लीडा के तहत नई इंटीग्रेटेड इण्डस्ट्रियल टाउनशिप प्रस्तावित

लीडा के ड्राफ्ट मास्टर प्लान–2031 का हुआ अनुमोदन

लखनऊ, 06 नवम्बर 2013

लखनऊ–कानपुर रोड पर लखनऊ औद्योगिक विकास प्राधिकरण (लखनऊ इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट आथॉरिटी–लीडा) **द्वारा एक नई एकीकृत इण्डस्ट्रियल टाउनशिप का विकास प्रस्तावित किया गया है। यह टाउनशिप लीडा की महायोजना (मास्टरप्लान) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगी।**

यह निर्णय आज यहाँ **प्रमुख सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग, डा. सूर्य प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न लीडा के निदेशक मण्डल की बैठक** में लिया गया। डा. सूर्य प्रताप सिंह लीडा के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) भी हैं।

लीडा के निदेशक मण्डल ने प्राधिकरण की **महायोजना–2031 (मास्टरप्लान–2031) को अनुमोदित** कर दिया, जिससे लखनऊ–कानपुर कॉरीडोर पर संगठित औद्योगिक विकास की राह खुल गई है।

अध्यक्ष एवं सीईओ, लीडा, डा. सूर्य प्रताप सिंह ने कहा–"विद्यमान उच्चकोटि की परिवहन सुविधाओं एवं तेजी से बढ़ते शहरीकरण के दृष्टिगत् नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा की ही तर्ज पर लखनऊ–कानपुर इण्डस्ट्रियल कॉरीडोर को विकसित करने की अपार सम्भावनाएं हैं। किन्तु हमें इस प्रक्रिया को तेजी से क्रियान्वित करना होगा जिससे राज्य की राजधानी के नव–उद्यमियों एवं जनता की आकांक्षाओं को पूरा किया जा सके।"

लीडा के अधिकारियों को महायोजना को अंतिम रूप देने के लिए आवश्यक प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने का निर्देश देते हुए, **डा. सूर्य प्रताप सिंह ने कहा**– "योजना को लागू करने के लिए समय–सारणी बननी चाहिए और जनता की आपत्तियों को आमंत्रित कर सक्षम समिति द्वारा शीघ्रातिशीघ्र निराकरण करना चाहिए।" **उन्होंने कहा कि** वर्तमान में लीडा की भूमि पर जो भी अतिक्रमण हैं उनकी सूचना संकलित कर प्रस्तुत की जाए जिससे वर्तमान और भविष्य में होने वाले अतिक्रमण की समस्या से छुटकारा पाने की कार्यवाई की जा सके।

डा. सिंह ने कहा कि लखनऊ–कानपुर इण्डस्ट्रियल कॉरीडोर को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के काउन्टर मैग्नेट के रूप में विकसित करना प्रस्तावित है, अतः एनसीआर प्लानिंग बोर्ड लीडा की विकास परियोजनाओं हेतु धनराशि का अच्छा स्रोत होगा।

लीडा के **मास्टरप्लान–2031 पर एक विस्तृत प्रस्तुतिकरण** में बताया गया कि इस महायोजना को इस उद्येश्य से तैयार किया गया है जिससे इस क्षेत्र में समेकित औद्योगिक विकास हो। इसके तहत राष्ट्रीय राजमार्ग–25 पर लखनऊ की ओर बहु–प्रयोजन परिक्षेत्र (मल्टी–फंकशनल ज़ोन), नवाबगंज पक्षी विहार के आस–पास पर्यटन एवं संरक्षण परिक्षेत्र तथा उन्नाव–कानपुर की ओर औद्योगिक परिक्षेत्र प्रस्तावित हैं। जो उच्च–स्तरीय अवस्थापना सुविधाओं से युक्त होंगे।

ड्राफ्ट मास्टरप्लान के अनुसार 84 ग्रामों में **अधिसूचित 29,996 हेक्टेअर क्षेत्र** का 20 प्रतिशत् भाग औद्योगिक होगा, 26 प्रतिशत् आवासीय, 20 प्रतिशत् ईको–फ्रेंडली मनोरंजन क्षेत्र, 16 प्रतिशत् परिवहन, 12 प्रतिशत् सार्वजनिक/अर्धसार्वजनिक, 4 प्रतिशत् मिश्रित एवं 2 प्रतिशत् वाणिज्यिक होगा।

निदेशक मण्डल ने लीडा के नये कार्यालय भवन निर्माण, कार्मिकों की सेवा नियमावली एवं लखनऊ–कानपुर रोड पर एक बहुमंजिली आवासीय योजना को भी अनुमादित कर दिया।

बैठक में लीडा के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी–रामदीन, वरिष्ठ नगर योजक–अजय मिश्र, प्रोजेक्ट मैनेजर–एस पी सिंह सहित नगर विकास, ऊर्जा, लोक निर्माण आदि विभागों के अधिकारियों ने भी भाग लिया।

———————